 Roll No. ……..

MASL–102

संस्कृत भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16 / 17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रत्यक्ष मार्ग के अनुसार भाषा की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
2. संस्कृत भाषा का वैशिष्ट्य बताते हुए प्राचीन आर्यभाषाओं का वर्णन कीजिए।
3. ध्वनि नियम को परिभाषित करते हुए ग्रिम नियम का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. 'पितृ' शब्द के प्रथमा विभक्ति के तीनों रूपों की सूत्रोल्लेखपूर्वक व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उपसर्ग किसे कहते हैं तथा उनके कितने प्रकार हैं ? स्पष्ट कीजिए।
2. सूत्रोल्लेखपूर्वक 'सर्वे' शब्द की सिद्धि कीजिए।
3. स्वराघात क्या है ? उसके भेद स्पष्ट कीजिए।
4. वर्नर नियम का वर्णन कीजिए।
5. रमा शब्द के सभी विभक्तियों के रूप लिखिए।
6. उष्मीकरण क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
7. तालव्य वर्णों को बताइये।
8. सूत्रोल्लेखपूर्वक 'सर्वस्मै' शब्द की सिद्धि कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'सर्वस्मिन्' कहाँ का रूप है ?

   (अ) चतुर्थी एकवचन

(ब) सप्तमी एकवचन

(स) तृतीया एकवचन

(द) पञ्चमी एकवचन

2. 'गुरु' शब्द के चतुर्थी एकवचन का रूप है :

(अ) गुरवे

(ब) गुरोः

(स) गुरौ

(द) गुरुभ्याम्

3. 'सर्वादीनि सर्वनामानि' सूत्र विधान करता है—

(अ) सर्वनाम संज्ञा

(ब) शी विधायक

(स) अङ्ग संज्ञा

(द) सुट् विधायक

4. सर्वादि गण में कितने शब्द हैं ?

(अ) 35

(ब) 30

(स) 05

(द) 25

5. पठामि में प्रत्यय है—

(अ) तिप्

(ब) मिप्

(स) झि

(द) सिप्

6. तिङ् प्रत्यय होते हैं—

(अ) 19 (ब) 18

(स) 20 (द) 03

7. 'पति' शब्द है—

(अ) पुल्लिंग

(ब) स्त्रीलिंग

(स) उभयलिंग

(द) इनमें से कोई नहीं

8. 'रमायाम्' रूप है—

(अ) सप्तमी एकवचन

(ब) द्वितीया एकवचन

(स) पञ्चमी एकवचन

(द) प्रथमा एकवचन

9. 'हरेः' रूप है—

(अ) पञ्चमी एकवचन

(ब) सप्तमी एकवचन

(स) चतुर्थी एकवचन

(द) तृतीया एकवचन

10. 'भाषा' शब्द में मूल धातु है—

(अ) भाष्

(ब) भाज्

(स) भा

(द) भास्